आशा दिवस/आशा सम्मेलन

23 अगस्त 2009–10

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन
राज्य कार्यक्रम प्रबंधन इकाई
उत्तर प्रदेश

आशा दिवस/सम्मेलन

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अर्न्तगत, प्रदेश में 23 अगस्त 2005 को आशा योजना का शुभारम्भ किया गया था। राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन में स्वास्थ्य कार्यक्रमों के सामुदायकीकरण के लिये आशा की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रदेश में आशा योजना लागू किये जाने के उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष 23 अगस्त को आशा दिवस के रूप में मनाया जाता है। आशा दिवस/सम्मेलन का आयोजन के उद्देश्य ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन का आधार कही जाने वाली आशाओं को उनके द्वारा समुदाय में किये गये सराहनीय प्रयासों के लिये उत्साहित करना, मनोबल बढ़ाना, एवं सम्मानित करना है। आशा दिवस/सम्मेलन में मुख्यतयाः आशाओं को मिशन के अन्तर्गत चलाये जाने वाले कार्यक्रमों के बारे में जानकारी देना, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करना एवं विगत वित्तीय वर्ष में किये गये कार्यों के आधार पर प्रत्येक विकास खण्ड से चयनित तीन सर्वोत्तम आशाओं को उनके उत्कृष्ठ कार्यों के लिए धनराशि तथा प्रशस्ति पत्र के रुप में पुरुस्कार दिया जाना सम्मिलित है।

इस सम्मेलन के माध्यम सें आशा की भूमिका को ओर सुदृढ करना, जनपद के समस्त आशाओं को एक मंच पर लाकर उनके विचारों एवं अनुभवों का आदान प्रदान करना तथा उनके समक्ष उनके कार्यों के सम्बन्ध में आ रही समस्याओं के लिए सामूहिक विचार विमर्श से उनका निराकरण कर उनको प्रेरित किया जाता है।

प्रदेश के विभिन्न जनपदों में विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सम्मेलन का उद्घाटन किया गया। राज्य मंत्रियों से लेकर मुख्य विकास अधिकारियों एवं अतिरिक्त जिला अधिकारियों ने कार्यक्रमों का शुभारम्भ कर अपनें सम्बोधनों से प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। सम्मेलन में 8 जनपदों में राज्य स्तर के मंत्रियों/विधायकों, 2 जनपदों में सांसदों, 41 जनपदों में जिलाधिकारियों एवं 23 जनपदों में जिला पंचायत अध्यक्षों द्वारा प्रतिभाग करके सराहनीय कार्य करने वाली आशाओं को पुरस्कृत किया गया। इन जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के अलावा मण्डलीय अपर निदेशकों एवं मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धकों के द्वारा भी सम्मेलनों में प्रतिभाग किया गया। सम्मेलन में गणमान्य व्यक्तियों एवं अधिकारियों के उद्बोधन

से कार्यक्रम की जानकारी देकर एवं प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत कर आशाओं में स्फूर्ति का संचार किया गया।

आशा दिवस आँकडों की नजर में

सम्मेलन में लक्षित प्रतिभागियों की संख्या	81068
कुल प्रतिभागियों की संख्या	62163
कुल प्रतिभागियों का प्रतिशत	76.68
कुल पुरस्कृत आशाओं की संख्या (प्रथम द्वितीय,तृतीय)	2460
जनपदों की संख्या जहॉ आशाओं की उपस्थिति 30 प्रतिशत या उससे कम	21
जनपदों की संख्या जहॉ आशाओं की उपस्थिति 31 से 60 प्रतिशत के मध्य रहा	41
जनपदों की संख्या जहॉ आशाओं की उपस्थिति 60 प्रतिशत से अधिक रही	9
जनपद का नाम जहॉ आशाओं की उपस्थिति का प्रतिशत अधिकतम रहा (95 प्रति0)	एटा
जनपद का नाम जहॉ आशाओं की उपस्थिति का प्रतिशत न्यूनतम रहा रहा (12 प्रति0)	जौनपुर
जनपदों की संख्या जहॉ राज्य स्तरीय मंत्रियों/विधायकों द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभागिता रही	8
जनपदों की संख्या जहॉ सांसदों की मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभागिता रही	2
जनपदों की संख्या जहॉ आयुक्त की मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभागिता रही	3
जनपदों की संख्या जहॉ ज़िला पंचायत अध्यक्ष की मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभागिता रही	23

जनपदों की संख्या जहाँ ज़िला अधिकारियों द्वारा अध्यक्षता की गयी	41
सम्मेलनों की संख्या जहाँ राज्य कार्यक्रम प्रबंधन इकाई, के अधिकारियों की प्रतिभागिता रही	11
सम्मेलनों की संख्या जहाँ अपर निदेशक (स्वा0)/ अधिकारियों की प्रतिभागिता रही	17
सम्मेलनों की संख्या जहाँ मण्डलीय कार्यक्रम प्रबंधन इकाईयों के अधिकारियों की प्रतिभागिता रही	44
सम्मेलनों की संख्या जहाँ आशा मेन्टोरिंग समूह के एन0जी0ओ0 सदस्यों की प्रतिभागिता रही	54
समाचार पत्रों में	288

आशा दिवस पर मुख्य अतिथि के रुप में जनपद के ज़िला परिषद अध्यक्ष ने भाग लिया। कुछ जनपदों में मण्डलायुक्त तथा अधिकांश जनपदों में ज़िला अधिकारियों द्वारा सम्मेलन का उद्घाटन किया गया। कुछ जनपदों में उद्घाटन की झलकियाँ निम्नवत् हैं–

विभिन्न जनपदों में सम्मेलन उद्घाटन के कुछ दृश्य

अधिकांश जनपदों में कार्यक्रम स्थल पर ब्लाक वार पंजीकरण कक्ष लगाये गये। पंजीकरण के साथ–साथ कार्यक्रम में प्रतिभाग कर रही आशाओं को फोल्डर वितरित किये गये। जिसमें विभिन्न प्रकार की प्रचार प्रसार सम्बन्धित सामग्रियाँ सम्मलित थीं ,जैसे कि आशा पत्रिका, जननी सुरक्षा योजना का पम्पलेट, संक्रामक रोगों से बचाव, सौभाग्यवती योजना, सी.सी.एस.पी., आई.वाई. सी.एफ., परिवार कल्याण कार्यक्रम, सलोनी स्वस्थ्य किशोरी योजना, विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों से सम्बन्धित पम्पलेट, स्वाइन फ्लू, टी.बी., एवं एड्स, आशाओं के कार्यों एवं मानदेय सम्बन्धित पम्पलेट, स्तनपान को बढ़ावा देने हेतु

पम्पलेट, युनिसेफ् द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित पुस्तिका "जीवन के सन्देश", महिला श्रंगार सामग्री किट (बैग, कंघा, बिन्दी, इत्यादि) । कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों/गैर सरकारी संस्थाओं एवं आशा मेन्टोरिंग समूह के एन0जी0ओ0 सदस्यों द्वारा स्टॉल लगाकर विभिन्न कार्यक्रमों एवं योजनाओं से सम्बन्धित लेखन सामग्री/संदर्भ सामग्री आदि के माध्यम से उपस्थित प्रतिभागियों तक जानकारी प्रदान की गयी। इन सम्मेलनों में स्वास्थ्य कार्यक्रम यथा नसबन्दी, टीकाकरण, पुरूष नसबन्दी, प्रसव पूर्व व प्रसव उपरान्त देखभाल, जननी सुरक्षा योजना, बाल स्वास्थ्य एवं पोषण माह, ग्राम स्वास्थ्य पोषण माह, सलोनी स्वस्थ्य किशोरी कार्यक्रम, विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रम, स्तनपान, विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रम, एच.आई.वी./एड्स दहेज प्रथा, कन्या भ्रूण हत्या आदि पर बनी विभिन्न वृत चित्रों का प्रदर्शन भी किया गया।

कार्यक्रम में पंजीकरण कराती हुई आशाऐं

पूरे प्रदेश में लगभग 62163 आशाओं, ए0एन0एम0 एवं प्रधानों ने कार्यक्रम में पूरे उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। इस वर्ष 23 अगस्त को महिलाओं का महत्वपूर्ण त्योहार तीज होने के कारण सम्मेलन का आयोजन पूरे प्रदेश में चिन्हित तिथि में न होकर अलग–अलग जनपदों में भिन्न–भिन्न दिनांकों में हुए।

कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि एवं आशायें

आशाओं को वितरित आई0ई0सी0 सामग्रियाँ

जनपदों को कार्यक्रम सम्बन्धित प्रेषित दिशा निर्देशों के अनुसार आशाओं के समक्ष प्रत्येक जनपद में ब्लॉकवार प्रगति रिर्पोट एवं वर्तमान वर्ष में आशाओं से अपेक्षाएं का प्रस्तुतीकरण किया गया। कई जनपदों में ब्लॉकवार सक्रिय व निष्क्रिय आशाओं पर भी विस्तृत रिर्पोट का प्रस्तुतीकरण किया गया। तथा उनके प्रोत्साहन हेतु अपील की गयी। आशाओं को राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के उद्देश्यों के अनुरूप सक्रियता पूर्वक कार्य करने के लिए संवेदित किया गया। जनपदीय अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारियों ने अपने वक्तव्यों में आशाओं के कर्तव्यों एवं दायित्वों व योजनाओं पर विस्तृत प्रकाश डाला जिसमें उन्होंने विभिन्न मुद्दों जैसे ग्राम स्वास्थ्य योजना तैयार करने में आशा की भागीदारी, स्वास्थ्य सम्बन्धी आदतों में सुधार के लिए आई.पी.सी., दूसरे विभागीय स्वास्थ्य कर्मियों जैसे आँगनवाड़ी के साथ समन्वय ,मरीजों को अस्पताल तक पहुँचाने में मदद करना, प्राथमिक चिकित्सीय देखभाल करना, गाँव में डिपो होल्डर इत्यादि पर भी विस्तृत जानकारी प्रदान की।

मुख्य अतिथियों एवं अन्य अधिकारियों द्वारा प्रतिभागियों का सम्बोधन

कई जनपदों में आशाओं ने अपने कार्यों के सम्बन्ध में हो रही प्रगति व समस्याओं के बारे में मंच पर आकर खुल कर अपने विचार व्यक्त किये। उदाहरणार्थ– जनपद गोरखपुर के विकास खण्ड गोला से आई आशा श्रीमती कौशल्या मौर्या ने बताया कि उनकी शिक्षा परास्नातक तक हुई है। तथा पारिवारिक परिस्थितयों के कारण वे ग्रामीण क्षेत्र में निवास कर रही हैं, जहाँ का वातावरण पूर्णतः परम्परागत विचारों वाला है। आशा बनने के तत्पश्चात् उन्होंने अपने प्रारम्भिक दिनों के कार्यो में आई कठिनाइयों का उल्लेख किया। श्रीमती मौर्या ने बताया कि वर्तमान में गाँव के सभी बड़े बुजुर्ग व महिलाओं के बीच एक आशा के रूप में पहचान बन गई है। गाँव के लोग अब स्वास्थ्य सम्बन्धित विभिन्न मुद्दों में उनसे राय मशविरा भी करने लगे हैं।

आशाएं अपने अनुभवों एवं विचारों को प्रस्तुत करते हुये

समस्त जनपदों में आयोजित सम्मेलनो में आशाओं के समूहों द्वारा रंगारंग एवं मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रस्तुती करण भी किया गया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से विभिन्न स्वास्थ्य एवं सामाजिक कुरीतियों से सम्बन्धित मुद्दों पर लघु नाटक, नुक्कड़ नाटक, लोक संगीत, कहीं–कहीं विशेष हास्य कार्यक्रम, जादुई खेल, एकल भजन, ईश्वरीय बंदना का भी प्रस्तुती करण किया गया। जिन मुद्दों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये उनमें मुख्यतः दहेज उत्पीड़न एवं भ्रूण हत्या, महिला शिक्षा, स्वास्थ्य शिक्षा, स्वास्थ्य व्यवहार, नशा मुक्ति, खून की कमी में हरी सब्जियों की महत्ता, गर्भवती की देखभाल इत्यादि शामिल थे। इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया था जैसे वाद विवाद, मेंहदी लगाना, रंगोली सजाना इत्यादि।

इन कार्यकलापों के माध्यम से विभिन्न विभागीय कार्यक्रमों का विस्तृत प्रस्तुती करण करके समुचित जानकारी प्रदान करने का प्रयास किया गया। उक्त वर्णित गतिविधयों के आयोजन का मुख्य उद्देश्य उपस्थित आशाओं को प्रेरित एवं उत्साहित करना तथा उनकी जानकारियों में वृद्धि करना था ताकि वो अपने–अपने कार्य क्षेत्रों में प्रदत्त स्वास्थ्य सेवाओं से लाभान्वित होने हेतु समुदाय को प्रेरित कर सकें।

कई जनपदों में उपस्थित आशाओं एवं अन्य विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु इमानदारी एवं कर्मठ भाव से काम करने का शपथ लिया। कई आशाओं ने स्वयं से रचयित गीतों एवं श्लोकों के माध्यम से प्रतिभागियों तक विभिन्न संदेशों को पहुँचाने का प्रयास किया। जैसे–

‘ फिरसे निकली घर से आशा, जो समझे है सबकी भाषा,
हर दरवाजे देती दस्तक, पूरी करती सबकी अभिलाषा,’

सम्मेलनों मे आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक झलक

कार्यक्रम में वर्ष 2008–2009 में संस्थागत प्रसव, नसबन्दी, टीकाकरण एवं राष्ट्रीय कार्यक्रमों में अच्छी भूमिका निभाने वाले प्रत्येक ब्लॉक से सर्वश्रेष्ठ तीन आशाओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में क्रमशः रू0 5000/–, 2000/– एवं 1000/– का चेक एवं प्रशस्ति पत्र मुख्य अतिथियों के द्वारा प्रदान कर आशाओं का उत्साह वर्धन किया गया तथा भविष्य में अच्छा कार्य करने की प्रेरणा दी गयी।

निम्न मानकों के आधार पर सर्वश्रेष्ठ आशाओं का चयन किया गया।

सर्वश्रेष्ठ कार्य के मानक–

क्रम सं0	गतिविधियॉ	प्रस्तावित अंक	अधिकतम कुल देय अंक
1	आशा द्वारा क्षेत्र से संस्थागत प्रसव कराना	1 अंक प्रति संस्थागत प्रसव में सहयोग हेतु	40 अंक
2	महिला / पुरूष नसबन्दी	1 अंक प्रति महिला / पुरूष नसबन्दी	40 अंक
3	गॉव में आयोजित प्रतिरक्षण सत्र के दौरान सहयोग	1 अंक प्रति प्रतिरक्षण सत्र	10 अंक
4	प्रभारी चिकित्सा द्वारा आशा का अन्य राष्ट्रीय कार्यक्रमों में दिये गये सहयोग के आधार पर सम्पूर्ण मूल्यांकन	.....	10 अंक

जनपद अलीगढ़ में जिला अधिकारी महोदय द्वारा जनपद की सर्वश्रेष्ठ आशा श्रीमती प्रवेश को उनके सराहनीय कार्य प्रदर्शन के लिए अलग से रू0 10000/– का चेक प्रदान किया गया। इस प्रकार पूरे प्रदेश में 2460 आशाओं को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया।

पुरस्कार वितरण की झलकियाँ

इसके अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अच्छे प्रदर्शन के लिए भी आशाओं को धनराशि एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। *जनपद बस्ती में कार्यरत स्वयं सेवी संस्था पानी जो कि आशा मेन्टॉरिंग ग्रुप की सदस्य भी है ने प्रत्येक विकास खण्ड से उत्कृष्ट कार्यों हेतु ग्राम स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति एवं ए.एन.एम. को भी पुरस्कृत किया*। पुरस्कार पाकर आशाओं के चेहरों पर छायी खुशी की लहर साफ झलक रही थी।

सम्मेलन एवं सम्मेलन में आयोजित कार्यक्रमों में अन्य विभागों जैसे कि बाल विकास एवं पुष्टाहार, सूचना विभाग, नेहरू युवा केन्द्र एवं जनपदीय आशा मेन्टॉरिंग समूह के सदस्यों का भी सराहनीय योगदान रहा। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा इस कार्यक्रम के माध्यम से ऑगनबाड़ी कार्यकत्री एवं आशा के बीच समन्वय स्थापित कर स्वास्थ्य एवं पोषण सम्बन्धी सुविधाएं जनसमुदाय को सुलभ कराने पर बल दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित जिला कार्यक्रम अधिकारियों ने अपने विभाग का

पूरा सहयोग देने का वचन दिया एवं महामाया गरीब बालिका आशीर्वाद योजना तथा पुष्टाहार योजना पर प्रकाश डालते हुए इसका लाभ दिलाने पर बल दिया। आशा मेन्टोरिंग समूह के सदस्य आशा दिवस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। उपस्थित सदस्यों ने भी आशा कार्यक्रम को सुदृढ़ करने के लिए अपना हर संभव सहयोग देने का वचन दिया।

सूचना विभाग द्वारा आशा दिवस के उद्देश्यों का व्यापक प्रचार प्रसार किया गया। कार्यक्रम के पहले एवं पश्चात् इसका प्रचार प्रसार मीडिया के द्वारा कराया गया ताकि इसके उद्देश्यों के बारे में जनसमुदाय को भी जानकारी मिल सके।

आशा सम्मेलन समाचार पत्रों की नजर में

आशाओं ने कुप्रथाओं को उकेरा

कोयलसा ब्लाक की तीन आशाएं सम्मानित

बियरर चेक है इसे जरा संभाल कर रखियेगा

अमर उजाला | वाराणसी, बुधवार, 26 अगस्त, 2009

सम्मान | सम्मेलन में आशा कार्यकत्रियां पुरस्कृत

'आशाओं' से ही आशा

उम्मीद

आशाएं समाज में अपनी पहचान कायम कर सकेंगी

आशा बहुएँ गाँव की आशा

हिन्दी भवन में आयोजित आशा बहुओं का सम्मेलन

निज संवाददाता माती

- एक महिला ही दूसरी महिला का दर्द समझती है
- सीएमओ बोले अपने काम को आशा जिम्मेदारी से करें

मंगलवार, 1 सितंबर, 2009

कार्यक्रम | टाउन हाल के बापू भवन में आशा कार्यकत्रियों का सम्मेलन संपन्न

पूरी ईमानदारी से कार्य करें आशा बहुएं, बोले जिला जज

बलिया। स्थानीय टाउन हाल के बापू भवन के सभागार में सोमवार को आशा दिवस पर सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का उद्घाटन जिलाधिकारी सेंथिल पांडियन सी ने दीप प्रज्वलित कर किया।

डीएम ने कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन का उद्देश्य महिलाओं का प्रसव सरकारी अस्पतालों में कराना है। उन्होंने कहा कि जननी सुरक्षा कार्यक्रम के माध्यम से आर्थिक सहयोग करके ग्रामीण क्षेत्रों में अप्रशिक्षित दाइयों के हाथों जच्चा बच्चा के मृत्यु दर को रोकना है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में आई आशा कार्यकत्रियों द्वारा उत्साह पूर्वक कार्यक्रमों में सहभागिता की गई। इतने ही उत्साह व ऊर्जा से ग्रामीण क्षेत्रों में भी संस्थागत प्रसव व स्वास्थ्य विभाग के अन्य कार्यक्रमों में गांव के लोगों को भरोसा जीत सकें। सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित जिला जज आरपी शुक्ला ने कहा कि आशा कार्यकत्रियों का वर्तमान समय में कार्य बढ़ गया है। उन्हें अपने-अपने क्षेत्रों में ईमानदारी से कार्य करना होगा। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक चंद्रप्रकाश ने कहा कि देश के अस्सी प्रतिशत लोग गांवों में रहते हैं। स्वास्थ्य कार्यक्रमों की सफलता के लिए आशा कार्यकत्रियों को जो दायित्व सौंपा गया है उसे ईमानदारी से निभाकर समाज में अच्छा संदेश दें। सम्मेलन में जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीत कुमार सिंह ने कहा कि ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य कार्यक्रमों को क्रियान्वित कराने में आशा कार्यकत्रियों की भूमिका अहम है। श्री सिंह ने महामाया गरीब बालिका आशीर्वाद योजना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अब तक छह सौ बालिका शिशु को उक्त योजना के तहत 20 हजार रुपये का चेक उनके परिजनों को दिया गया है ताकि बाल विवाह तथा बालिका भ्रूण हत्या जैसी कुरीतियों पर रोक लगाई जा सके। सम्मेलन में महिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका योग माया त्रिवेदी तथा सीएमएस आरबी सिंह ने स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं को विस्तार से जानकारी दी। सम्मेलन में जिला अस्पताल के कई डाक्टरों ने भी विचार रखे। इसमें पूरे जनपद की लगभग एक हजार आशा कार्यकत्रियों ने हिस्सा लिया।

उद्घाटन

सम्मेलन का उद्घाटन जिलाधिकारी ने दीप प्रज्वलित कर किया

...टाउन हाल बापू भवन में ...लित करते मुख्य चिकित्सा ...भारती।

भागीदारी : बापू भवन में सम्मेलन में उपस्थित...

स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ हैं आशा बहुएं : मिथलेश

आशा दिवस

- जिला पंचायत अध्यक्ष व सीएमओ ने दीप प्रज्वलित कर किया कार्यक्रम का शुभारंभ
- रंगारंग कार्यक्रम के बीच विजयीप्रतिभागी रहीं आकर्षण
- उत्कृष्ट कार्य के लिए सीएमओ ने किया पुरस्कृत

ग्रामीणों को स्वस्थ रखने में आशा की भूमिका अहम

आशा दिवस पर कार्यकत्री सम्मेलन

मथुरा। जिला पंचायत अध्यक्ष डा. जसराम सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत आशा कार्यकत्री ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन की मजबूत स्तंभ हैं। इनके बगैर ग्रामीणों को स्वस्थ रखने का सपना पूरा नहीं हो सकता।

जिला पंचायत अध्यक्ष डा. सिंह रविवार को चंपा अग्रवाल जूनियर हाईस्कूल डैंपियर नगर में आशा दिवस पर आशा कार्यकत्री सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। यह आयोजन ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के तहत जिला स्वास्थ्य समिति की ओर से किया गया। सम्मेलन का प्रारंभ दीप जलाकर जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया। ...मिशन की मजबूती के लिए आशाओं की माँगें पूरी करने और उन्हें आवश्यकतानुसार मानदेय देने की मांग उठायी। इस मौके पर सीएमओ डा. ज्ञानेंद्र सिंह ने कहा कि ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन को सफल बनाने के लिए आशाओं को बेहतर कार्य करना होगा। वे मिशन को सफल बनाने में जुटी हैं। एसीएमओ डा. टी पी सिंह ने ग्रामीण इलाकों में चल रहे स्वास्थ्य के कार्यक्रमों की जानकारी दी। अन्य उपस्थित लोगों में डा. मुकेश लवानियां, डा. जी एल शुक्ला, डा. मनोज गुप्ता, डा. लाल सिंह, डा. ब्रजेश खन्ना आदि मौजूद रहे। इस मौके पर हर ब्लाक से बेहतर कार्य करने वाली तीन-तीन आशाओं को सम्मानित किया गया।

अपनी बात: जनपदीय आशा सम्मेलन में मंचासीन जिला पंचायत अध्यक्ष डा.जसराम और मुख्य चिकित्सा...

डीएम ने बढ़ाया आशाओं का हौसला

लखीमपुर-खीरी (एसएनबी)। डीएम समीर वर्मा ने उत्कृष्ट कार्य करने वाली आशा बहुओं को पारितोषिक देते हुए आह्वान किया कि वे अपने कर्तव्यों को और निष्ठा से करें तथा जिले की सभी आशा बहुएं गांव में रहकर शिशुओं धात्री व गर्भवती माताओं को समय से टीकाकरण और दवाएं वितरित कर न केवल उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखें बल्कि अपने कार्य क्षेत्र के समूचे गांव में यदि कोई भी बीमार हो अथवा संक्रामक रोग से ग्रसित होई तो मानवीय

मिलता है तथा भोजन आदि के लिए 150 रुपये अलग से मिलता है। इस प्रकार सरकार 2000 रुपये ग्रामीण क्षेत्र की माताओं पर प्रसव के समय कार्य करती है। जिलाधिकारी ने बताया कि बीपीएल परिवारों की 19 वर्ष या इससे अधिक उम्र की ऐसी सभी गर्भवती महिलाओं जो घर पर प्रसव कराती हैं को 500 रुपये की सहायता सरकार देती है। इन महिलाओं को बीपीएल व आयु का प्रमाण पत्र एएनएम अथवा आशा को देना होता है। वह फार्म भरवाकर 500 रुपये का चेक उन्हें पहुंचा देती है। डीएम ने खुशी जाहिर की कि पिछले वर्ष लगभग 29000 जननी सुरक्षा योजना में लाभान्वित कर लखीमपुर जिला प्रथम स्थान पर है। इसके उपलक्ष्य में जिलाधिकारी समीर वर्मा द्वारा पूरैना की

बलरामपुर

बृहस्पतिवार - 27 अगस्त 2009

कार्यक्रम योजनाओं के बारे में आशाबहुओं को प्रशिक्षित किया जाता रहेगा

उत्कृष्ट कार्य के लिए आशाबहुएं सम्मानित

बलरामपुर : बुधवार को आशा बहू को पुरस्कृत करतीं डीएम।

बलरामपुर। आशा बहुओं के प्रयास से मातृ-शिशु मृत्युदर में काफी कमी आ सकती है तथा स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न योजनाओं के प्रति ग्रामीण जनता को जागरूक किया जा सकता है।

उपरोक्त बातें जिलाधिकारी कंचन वर्मा ने बलरामपुर होटल सभागार में बुधवार को आयोजित आशा बहुओं के जनपदीय सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि कहीं। उन्होंने आशा बहुओं का आह्वान किया कि वे ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाले प्रसव को प्रयास कर चिकित्सालयों में कराएं ताकि मातृ-शिशु मृत्युदर में कमी लायी जा सके। साथ ही स्वास्थ्य सम्बन्धी विभिन्न योजनाओं का प्रचार-प्रसार भी आशा बहुएं ग्रामीण क्षेत्रों में करें। सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए उप मुख्य चिकित्साधिकारी डा. जेएल मिश्र ने कहा कि जनपद में कुल 1496 आशा बहुएं कार्यरत हैं। इसके बावजूद भी जनपद में संस्थागत प्रसव का प्रतिशत 17 से भी कम है, यह चिन्ताजनक विषय है। उन्होंने आशा बहुओं का आह्वान किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के क्रियान्वयन की वह महत्वपूर्ण कड़ी है। प्रत्येक आशा बहू क्षेत्र में अपने कार्य को पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा से अंजाम देकर राष्ट्रीय मिशन के क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने कहा कि आशा बहुओं को सरकारी स्वास्थ्य के क्रियान्वयन में उचित मानदेय भी प्रदान किया जाता है। उन्होंने कहा कि अपने-अपने क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली आशा बहुओं को सम्मान स्वरूप नकद धनराशि भी प्रदान की जाती है।

जिला विकास अधिकारी डा. एसएफएच रिजवी ने अपने सम्बोधन में कहा कि आशा बहुओं के सहयोग राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य बीमा योजना को बेहतर क्रियान्वयन किया जा सकता है। मंडल कार्यक्रम संयोजक अरविन्द गोस्वामी ने कहा कि आशा बहुओं को समय-समय पर योजनाओं के बारे में प्रशिक्षित भी किया जायेगा।

सम्मान

प्रथम पर पांच हजार, द्वितीय पर दो तथा तृतीय पुरस्कार के रुप में एक हजार दिए

इस अवसर पर जनपद के 9 विकास खंडों में से बेहतर कार्य करने वाली आशा बहुओं को सम्मानित भी किया गया। हरैया सतघरवा विकास खंड में प्रथम पुरस्कार पूनम श्रीवास्तव, द्वितीय पुरस्कार कृष्णावती तथा तृतीय पुरस्कार प्रेमा श्रीवास्तव, गैंड़ास बुजुर्ग में प्रथम सुनीता देवी, द्वितीय कुसुम श्रीवास्तव, तृतीय पुरस्कार विजय लक्ष्मी, श्रीदत्तगंज में प्रथम बिलकीस बेगम, द्वितीय मुन्नी देवी, तृतीय रुकमणि गुप्ता, गैंसड़ी में प्रथम लक्ष्मी देवी, द्वितीय मीरा सिंह, तृतीय जुबैदा, पचेपड़वा में प्रथम असरीफुनिशा द्वितीय शान्ती देवी, तथा बिन्दु पांडेय तृतीय रहीं। बलरामपुर में प्रथम मीरा सिंह, द्वितीय रचना वर्मा, तृतीय ललिता सिंह, तुलसीपुर में निर्मला प्रथम, द्वितीय मंजू मिश्रा, तृतीय माधुरी तिवारी, उतरौला में प्रथम गीता मौर्या, द्वितीय मंजू, तृतीय सायरा बानो तथा रेहरा बाजार में प्रथम पुरस्कार कुसुमदेवी, द्वितीय सविता सिंह तथा तृतीय परवीन बानो को प्रदान किया गया। प्रथम पुरस्कार के रूप में पांच हजार, द्वितीय को दो हजार तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में एक हजार रुपये की नकद धनराशि तथा प्रशस्ति पत्र मुख्य अतिथि द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर डा. एके सिंघल, डा. एसबी सिंह, डा. एसके भारती, शमीम, केके श्रीवास्तव, एसके त्रिपाठी सहित भारी संख्या में आशा बहुएं उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन एनआरएचएम डीपीएम शिवेन्द्र मणि त्रिपाठी ने किया। मुख्य चिकित्साधिकारी डा. एचएन तिवारी द्वारा सम्मेलन में आए अतिथियों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया गया।

बलरामपुर में बुधवार को आशा बहू जनपदीय सम्मेलन में उपस्थित आशा बहुएं

गोण्डा

दैनिक जागरण

'आशा बहुएं सम्मान पाने की वास्तविक हकदार'

गोण्डा, 26 अगस्त (जाका): आशा की समस्याओं की तत्काल सुनवायी कर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उसका निस्तारण करायें। इनकी बेहतर क्रियाकलापों से विभाग की छवि सुधरेगी।

यह बात जिलाधिकारी मधुकर द्विवेदी ने बुधवार को स्थानीय टाउन हाल में आयोजित आशा बहू सम्मेलन में कही। उन्होंने कहा कि इनके देयों का समय से भुगतान समय से सुनिश्चित किया जाय। आशा बहुएं समुचित सम्मान की पूर्ण हकदार है। इस अवसर पर परसपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के अन्तर्गत कार्यरत आशा बहू शांति देवी मधईपुर, दुर्गावती व शांति देवी परसपुर को बेहतर कार्य के लिए प्रशस्त पत्र एवं नगद पुरस्कार दिया गया। जिलाधिकारी श्री द्विवेदी ने कहा कि आशाओं का समुचित प्रशिक्षण दिया जाय। उन्होंने आशा बहुओं से अपेक्षा किया कि बाढ़ के दौरान पीड़ितों की बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराये। सम्मेलन का उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्ञानमती ने किया। सीएमओ डा.जीपी अवस्थी ने सभी का स्वागत करते हुए सम्मेलन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। बीएचआईओ विपिन शुक्ल ने समाज के व्यक्तियों की स्वस्थ जीवन हेतु आशा की भूमिका पर प्रकाश डाला। आशा के नोडल अधिकारी डा.एमए खान ने ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत अगले वर्ष के लिए शिशु एवं मातृ स्वास्थ्य सम्बन्धी प्राथमिकता वाले विषयों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया

गोण्डा में आशा बहुओं के सम्मेलन को सम्बोधित करते डीएम साथ में जिपं अध्यक्ष व बलरामपुर में आशा को सम्मानित करती डीएम

मृत्युदर में कमी लाने के क्षेत्र में आशा बहुओं की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है। सामाजिक कार्यकर्ता होने के नाते आशा बहुएं सम्मान पाने की वास्तविक हकदार हैं। ये बातें जिलाधिकारी कंचन वर्मा ने बुधवार को बलरामपुर मैरिज

• गोण्डा व बलरामपुर के सभी ब्लाकों से बुलायी गयी आशा बहुंए

हाल में आयोजित आशा बहुओं के सम्मान समारोह में कही। उन्होंने कहा कि जिले में मातृ एवं शिशु मृत्युदर

चिकित्साधिकारी डा. जेएल मिश्र ने आशा बहुओं को समाज व विभाग के बीच की कड़ी बताया। डीडीओ सैय्यद एसएफएच रिजवी ने कार्यकत्रियों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना की जानकारी देते हुए बताया कि इसका लाभ बीपीएल परिवारों के मुखिया समेत पांच सदस्यों को मिलेगा। उन्होंने बताया कि योजना के तहत बीपीएल परिवारों को स्मार्ट कार्ड जारी किया जायेगा। मुखिया व सदस्यों के बीमार होने की दशा में बीमा कम्पनी 30 हजार रुपया इलाज के लिए देगी। कार्यक्रम में राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के जिला कार्यक्रम प्रबंधक शिवेन्द्र मणि त्रिपाठी, जिला

एटा के अतिथि निवास में आशा सम्मेलन के दौरान उत्कृष्ट कार्यकत्रियों को पुरस्कृत करते एडीएम प्रशासन व सीएमओ। दूसरे चित्र में कार्यक्रम में उपस्थित जिलेभर से आयीं आशा कार्यकत्रियां।

'आशाओं' से अधिकारियों ने जताई आशा

- सम्मेलन में दायित्वों का बोध कराया
- उत्कृष्ट कार्य करने वाली बहुयें सम्मानित

एटा, निज प्रतिनिधिः स्वास्थ्य विभाग द्वारा रेलवे रोड स्थित अतिथि निवास में आशा सम्मेलन का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अपर जिला प्रशासन डा. अखिलेश मिश्रा सहित अन्य अधिकारियों ने आशा बहुओं से जिले के लोगों के अच्छे स्वास्थ्य की आशा जताई। इसके साथ ही उन्हें दायित्वों का बोध कराते हुए स्वास्थ्य विभाग की महत्वपूर्ण कड़ी बताया।

अपर जिलाधिकारी श्री मिश्रा ने कहा कि देश–प्रदेश व समाज के समग्र विकास एवं खुशहाली के लिए प्रत्येक व्यक्ति का स्वस्थ रहना अत्यन्त आवश्यक है। देश के अस्सी प्रतिशत लोग ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करते हैं जिनकी स्वास्थ्य सम्बन्धी जिम्मेदारी आशा कार्यकत्रियों पर ही है। उनका कार्य और जिम्मेदारियां काफी महत्वपूर्ण और आवश्यक हैं। इसलिए सभी आशायें पूरी निष्ठा परिश्रम के साथ स्वास्थ्य अभियान को गांव–गांव पहुंचाकर लोगों को लाभान्वित करें। उन्होंने कहा कि सम्मेलन का आयोजन किये जाने का उद्देश्य यही है कि विभाग से संचालित योजनाओं की जानकारी आप तक पहुंचे और वह जानकारी हर ग्रामीण को भी न मिले बल्कि उन्हें योजनाओं का लाभ भी दिलाया जाये। ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन की सफलता आशाओं से ही जुड़ी हुई है। किसी को भी तीन हफ्ते से अधिक समय तक खांसी है तो टीबी हो सकती है, जिसके लिए समीपवर्ती स्वास्थ्य केन्द्र पर बलगम जांच कराने के लिए प्रेरित किया जाये। 45 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति को बीस फीट की दूरी से उंगलियां दिखाई न दें तो उनकी आंख में मोतियाबिन्द हो सकता है। जिनकी जांच कराकर निशुल्क आंखों का आपरेशन कराया जाये। परिवार नियोजन में भी आशाओं को चाहिए कि वह ग्रामीण अशिक्षित महिलाओं को उपायों की जानकारी दें। इसके साथ ही सरकार द्वारा जन्म–मृत्यु पंजीकरण अनिवार्य किया गया है। इसके प्रति भी लोगों को जागरूक किया जाये।

मुख्य चिकित्साधिकारी डा. जे. पी. राव ने कहा कि जननी सुरक्षा योजना से अधिक से अधिक महिलाओं को लाभान्वित कराया जाये। जिसके एवज में ग्रामीण महिलाओं को 1400 व शहर की महिलाओं को सरकारी अस्पताल में प्रसव कराने पर 1000 रुपये तत्काल दिये जाने का प्रावधान है। उन्होंने टीकाकरण को लेकर भी आशाओं को चेताया।

कार्यक्रम के मध्य प्रत्येक विकास खण्ड से तीन–तीन आशा कार्यकत्रियों को अच्छा कार्य करने पर पुरस्कृत किया गया। अलीगंज की ममता, लता, गंगादेवी, जैथरा की संतो देवी, नीलम, राजकुमारी, सकीट की शीला देवी, सोमवती, सरिता, शीतलपुर की चित्र रूपा, शकुन्तला व जयश्री के अलावा निधौली कलां की निर्मला, सोना बेगम, ममता, मारहरा की मीना माहेश्वरी, रेखा देवी, कुसुमा देवी, अवागढ़ की मीरा देवी, मिथलेश, ममतेश, जलेसर की मायावती, उर्मिला देवी व प्रियंका को क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार दिये गये। इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा. पी. एन. गर्ग, डा. ए. के. यादव, डा. डी. एस. भदौरिया, राज्य कार्यक्रम प्रबन्धक हैदर नाजिर, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक मोहम्मद आरिफ, मण्डलीय परियोजना प्रबन्धक डी. सी. त्रिपाठी सहित अन्य विभागीय अधिकारी, कर्मचारी व आशा कार्यकत्री मौजूद थे।

गोंडा-आसपास

अमर उजाला

आयोजन टाउनहाल में आशाबहू सम्मेलन का आयोजन, 48 आशाबहुएं सम्मानित

'आशा की समस्याओं का तत्काल करें निराकरण'

[illegible]

सीएमओ को सौंपा ज्ञापन

[illegible]

'आशा' स्वास्थ्य विभाग की महत्वपूर्ण कड़ी

आशा दिवस पर कई कार्यक्रम आयोजित हुए

सीडीओ जेबी सिंह ने कहा कि ... में आशा स्वास्थ्य विभाग की ... कड़ी है। ग्रामीण क्षेत्र में जब लोगे ... गे तो क्षेत्र, जिला, प्रदेश और देश ... होगा। आशा की तैनाती के बाद ... त्र में मातृ और शिशु मृत्यु दर पर ... तक अंकुश लगा है। ग्रामीण क्षेत्रों ... गत प्रसव कराने के लिए ... आयी है।

... गुरुवार को नगर के एक गेस्ट ... एनआरएचएम के तहत आयोजित ... स पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा ... ग्रामीण क्षेत्र में लोगों को स्वास्थ्य ... की नई-नई योजनाओं की ... देती हैं।

... सरकार द्वारा बालिकाओं के ... लिए कई योजनाएं संचालित ... गरीब परिवार में बालिका के ... महामाया योजना के तहत

उपलब्धि

अच्छा कार्य करने वाली 27 आशा की गई पुरस्कृत

18 साल की होगी तो यह धनराशि एक लाख रुपये होगी।

सीएमओ डा. राकेश रमन ने कहा कि गांव में प्रति एक हजार की आबादी पर एक आशा कार्यकत्री तैनात की गई है। आशाओं को समय-समय पर नई-नई जानकारियां देने के लिए प्रशिक्षण दिए जाते हैं। जिससे वह ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर चिकित्सकीय सेवाएं प्रदान करा सकें। उन्होंने कहा कि जिन आशाओं ने बेहतर कार्य किए हैं। ऐसी तीन आशाओं का चयन प्रत्येक सीएचसी और पीएचसी से किया गया है। सबसे अच्छा कार्य करने वाली आशा को पांच हजार, दूसरे नंबर को तीन हजार तथा तीसरे रुपये दिया गया है।

एनआरएचएम के जिला कम्युनिटी मोबिलाइजर डा. आरपी सिंह ने कहा कि सम्मेलन में सभी विकास खंड क्षेत्रों से तीन-तीन आशाओं को कार्यों के मूल्यांकन के आधार पर पुरस्कृत किया गया है। कुल 27 आशाओं को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार दिए गए हैं। आशाओं को धनराशि का चेक और प्रमाण पत्र दिए गए। कार्यक्रम में आशाओं ने आशा गीत, अनपढ़ समाज कैसे समझाएं, कम उम्र की शादी, स्तनपान पर लघु नाटक, कुष्ठ रोग आदि पर नाटक और प्रस्तुत किए। इस मौके पर एसीएमओ डा. आरसी सक्सेना, प्रभारी सीएमएस डा. वीरेंद्र कुमार, एमएस कुरावली डा. सर्वेश यादव, एमओआईसी सुल्तानगंज डा. जीडी सिंह, बरनाहल डा. कृपाल सिंह यादव, कुचेला डा. मिथलेश कुमार, डीपीओ रेखा रानी, ब्रजेश मिश्रा आदि उपस्थित थे।

आशाएं ही ला सकती हैं गांवों में खुशहाली : मंत्री

- सेवा व समर्पण के संकल्प के साथ आशा जिला सम्मेलन संपन्न
- लोकगीतों व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मोहा लोगों का मन

सोनभद्र : सेवा एवं समर्पण भाव से कार्य करने के आह्वान के साथ आशाओं का जिला स्तरीय सम्मेलन मंगलवार को सम्पन्न हो गया। गवाह बना राबर्ट्सगंज नगर का विवेकानंद प्रेक्षागृह। मुख्य अतिथि खाद्य-रसद मंत्री व विंध्याचल मंडल के प्रभारी राम प्रसाद चौधरी ने कहा कि 'आशा' ही गांव स्तर की स्वास्थ्य व्यवस्था मजबूत कर सकती हैं। जब गांव मजबूत होगा तो क्षेत्र, जिला, प्रदेश व देश भी मजबूत व खुशहाल होगा।

श्री चौधरी ने कहा कि जब से आशाओं की तैनाती गांव स्तर पर हुई है, निश्चित रूप से मातृ एवं शिशु दर में काफी नियंत्रण हुआ है। उन्होंने कहा कि आशाओं को सम्मानित करने से मैं स्वयं को गौवान्वित महसूस करता हूं। उन्होंने कहा कि लोगों को जागरूक कर अपनी सार्थकता सिद्ध करते

21 आशाओं को किया सम्मानित

सोनभद्र : जिला स्तरीय आशा सम्मेलन में 21 आशाओं को पुरस्कृत किया गया। बेहतर कार्य के लिए दिए गए पुरस्कार में प्रथम आने वाली आशाओं को पांच हजार, दूसरा स्थान वाली आशाओं को तीन हजार व तीसरे स्थान पाने वाली आशाओं को दो-दो हजार व प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। दुद्धी ब्लाक से रुद्रा, चंपा, विंदा देवी, घोरावल ब्लाक की शशीकला, नीता सिंह, सुखरानी, बभनी से कुसुम देवी, इंद्रपति, सीता देवी, म्योरपुर ब्लाक से अनिता देवी, रेहाना बेगम, सरिता देवी, नगवां ब्लाक से बिंदू देवी, कौशिल्या समेत तीन लोग, चतरा ब्लाक की माधुरी देवी, सावित्री पाठक व संगीता देवी के अलावा चोपन की तीन आशाओं व केकराही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की अनीता, सुधा देवी व कृष्णा देवी को सम्मानित किया गया है।

बेहतर कार्य निष्पादन के सापेक्ष एक आशा कार्यकत्री को पुरस्कृत करते मंत्री। जागरण

पीड़ितों की दीदी, दाई, नर्स व कुशल डाक्टर सिद्ध होती हैं। जितना वरिष्ठ अधिकारियों का प्रभाव स्थानीय लोगों को जागरूक एवं उत्प्रेरित करने में नहीं पड़ता,

दिया जा सकता है। सदर विधायक सत्यनारायण जैसल आशाओं के कार्यों की सराहना करते हुए अपील किया कि वे महिलाओं एवं बच्चों के दुख दर्द को

तौर पर देखने को मिल रही है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. जीके कुरील ने अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस मौके पर पुलिस अधी...

अमर उजाला वाराणसी, बुधवार, 26 अगस्त, 2009

सम्मान | सम्मेलन में आशा कार्यकत्रियां पुरस्कृत

'आशाओं' से ही आशा

आजमगढ़। जिलाधिकारी मनीष चौहान ने कहा कि आशा का कार्य सेवा भाव का कार्य है। आशाओं से ही उत्तर प्रदेश के गांवों में बिगड़ते स्वास्थ्य की तस्वीर बदलने की आशा है। उन्होंने ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य की तस्वीर बदलने वाली आशा कार्यकत्रियों को पुरस्कृत भी किया और उम्मीद जतायी कि इस सम्मान से प्रेरित होकर आशाएं समाज में अपनी पहचान कायम कर सकेंगी।

उम्मीद

आशाएं समाज में अपनी पहचान कायम कर सकेंगीं

जिलाधिकारी, मंगलवार को मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय परिसर में आशा कार्यकत्रियों के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की उन्नति एवं विकास उसके शिक्षा एवं समाज की स्थिति पर निर्भर करता है। इसी को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसका मकसद शिशु, मातृ मृत्यु दर में कमी लाना है, ताकि एक स्वस्थ एवं विकसित भारत का निर्माण हो सके।सम्मेलन को संबोधित करते हुए अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण डा.सी लाल ने कहा कि आशाओं के योगदान से स्वास्थ्य केंद्रों में प्रसवों का इजाफा हुआ है। मगर अभी बहुत से ऐसे क्षेत्र हैं जहां आशाओं के सहयोग की जरूरत है। मुख्य चिकित्साधिकारी डा. केएम अग्रवाल ने सम्मेलन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए गर्भवती महिलाओं व बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं की जानकारी दी। प्रभारी जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई राजेश कुमार ने राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के उद्देश्यों, निर्धारित गतिविधियों तथा आशाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। सम्मेलन में महिला अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका डा. रेखा श्रीवास्तव, जिला क्षय रोग अधिकारी डा.बीएम कुमार, उप मुख्य चिकित्साधिकारी डा. चंद्रेश चंद्रा, डा. एके दूबे आदि ने भी संबोधित किया। सम्मेलन का संचालन मनीष तिवारी ने किया। सम्मेलन में आशाओं के अलावा ग्राम प्रधानों, महिला स्वास्थ्य कार्यकत्रियों ने भी भाग लिया।

विश्व आशा दिवस पर दीप प्रज्ज्वलित करते डीएम रमाशंकर साहू व पालिकाध्यक्ष तैयब पालकी। इस दौरान उपस्थित आशा कार्यकर्त्री। -जागरण

बेटी को लक्ष्मी का प्रतिरूप समझ सोच बदलें : डीएम

मऊ : कन्या भ्रूण हत्या पर अंकुश लगाने के लिए लोगों को जागरूक करना होगा। ...के जन्म को लक्ष्मी का आगमन ...ही जनमानस की सोच में बदलाव

उक्त बातें जिलाधिकारी रमाशंकर साहू ने नगर के एक प्लाजा में विश्व आशा दिवस पर आशा कार्यकर्त्रियों के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

आकांक्षा समिति की अध्यक्ष श्रीमती

व्यवस्था का प्रस्ताव शासन में भेजा जायेगा। आशाओं की शिकायत दूर करने के लिए शिकायत प्रकोष्ठ की स्थापना की जायेगी। कहा कि आशा कार्यकर्त्रियों की शिकायत पर एक सप्ताह के अंदर कड़ी कार्यवाही की

आशा। इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा.एसएन पाण्डेय, स्वास्थ्य शिक्षाधिकारी हरिवंश यादव, अरविन्द श्रीवास्तव आदि ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में गिरिजा,

---

संकल्पनाः

श्री प्रदीप शुक्ला

प्रमुख सचिव

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

उत्तर प्रदेश सरकार

प्रस्तुतीकरण—

कम्यूनिटी प्रोसेस टीम

डा. हरिओम दीक्षित

साजिद इशतियाक